भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

केंद्रीय जल आयोग
CENTRAL WATER COMMISSION

जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल
HYDROLOGICAL OBSERVATION CIRCLE

''जल–क्रांति अभियान'' के अंतर्गत दिनांक 29–03–2016 को वाराणसी में आयोजित एक दिवसीय "प्रशिक्षण कार्यक्रम" की रिपोर्ट

जल बचत - जल संचय

आकाशदीप–प्रथम तल, पन्नालाल पार्क, वाराणसी–221002
फोनः0542–2282302 फैक्स–0542–2282309 ईमेल-sehocvaranasi-cwc@nic.in

''जल–क्रांति अभियान'' के अंतर्गत जल विज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी द्वारा दिनांक 29–03–2016 को वाराणसी में आयोजित एक दिवसीय 'प्रशिक्षण कार्यक्रम' की रिपोर्ट

भारत सरकार द्वारा जल बचत–जल संचय की मूल भावना के प्रचार–प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे जल–क्रांति अभियान के अंतर्गत जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी द्वारा अपने सभागार में दिनांक 29–3–2016 को एक दिवसीय 'प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जल के समस्त हितधारियों को एक साथ लाकर जल संरक्षण के परंपरागत ज्ञान के साथ–साथ नई वैज्ञानिक सोच अपनाकर आने वाले समय में जल की समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित करना है । इसी उद्देश्य की पूर्ति की एक कड़ी के रूप में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम में जल एवं कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ–साथ वाराणसी के आस–पास के जिलों के चयनित जल ग्रामों के ग्राम प्रधान, ग्राम प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन एवं अन्य पणधारी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार सिबल, मुख्य अभियंता, ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ थे । अन्य विशिष्ट अतिथियों में ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ के अधीक्षण अभियंता(समन्वय) श्री शिव प्रकाश, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक श्री रवि प्रताप सिंह, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के प्रधान वैज्ञानिक श्री डी.के. सिंह, नेहरू युवा केंद्र, वाराणसी के उप निदेशक श्री कमलेश नारायण दुबे, केंद्रीय भू जल परिषद, वाराणसी के अधिशासी अभियंता श्री शोभा राम, उप कृषि निदेशक(शोध), वाराणसी श्री पीयूष कुमार शर्मा तथा श्रमजीवी सेवा संस्थान, इलाहाबाद के श्री लालजी सिंह 'गांधी जी' शामिल थे।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए हुए वरिष्ठ अधिकारियों का श्री अनुपम प्रसाद, अधीक्षण अभियंता, जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी, श्री राकेश कुमार गौतम, अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा मंडल–3, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी, श्री राज कुमार, अनुसंधान अधिकारी, मध्य गंगा मंडल–3, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी तथा श्री चन्द्र बली, उपमंडल अभियंता, जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।

श्री संजय कुमार सिबल, मुख्य अभियंता, ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ का पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री संजय कुमार सिबल, मुख्य अभियंता, ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ, श्री शिवप्रकाश, अधीक्षण अभियंता(समन्वय), ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ, श्री अनुपम प्रसाद, अधीक्षण अभियंता, जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी, श्री डी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, श्री कमलेश नारायण दुबे, उपनिदेशक, नेहरू युवा केंद्र, वाराणसी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ । वैदिक परंपरा के अनुसार इस अवसर पर श्री शिवाकांत मिश्र द्वारा मंत्रोच्चार के साथ–साथ विद्या की अधिष्ठात्री देवी मॉ सरस्वती की आराधना की गई।

दीप प्रज्जवलन करते हुए अतिथिगण

श्री अनुपम प्रसाद, अधीक्षण अभियंता, जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी ने अपने स्वागत भाषण में आए हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, विभिन्न विभागों से आए हुए प्रतिनिधियों तथा सबसे महत्वपूर्ण विभिन्न ग्रामों से आए हुए प्रतिनिधियों का इस समारोह में स्वागत करते हुए कहा कि हमारा भारत एक कृषि प्रधान देश है और जल के विपरीत प्रभावों का सबसे पहला और बृहद असर हमारे गांवों पर पड़ता है । जल की गिरती उपलब्धता और गुणवत्ता के दुष्प्रभावों से हम तभी उबर सकते हैं, जब इसे हम एक जन आंदोलन का रूप दें और यह गांवों में रहने वाले भाई–बहनों, बुजुर्गों तथा बच्चों को सम्मिलित करने से ही हो सकता है ।

श्री संजय कुमार सिबल, मुख्य अभियंता, ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि पृथ्वी पर और विशेष रूप से भारत में जनसंख्या का दबाव निरंतर बढ़ता जा रहा है जबकि जल की उपलब्धता स्थिर है । जो जल उपलब्ध है वह भी प्रदूषित होता जा रहा है । आर्सेनिक एवं फ्लोराइड से होने वाला जल प्रदूषण नए–नए क्षेत्रों में फैल रहा है । भारत वर्ष में इक्कीस प्रतिशत संक्रामक बीमारियॉ प्रदूषित जल के कारण फैलती हैं । जनसंख्या के दबाव का प्रभाव सतही जल के साथ–साथ भू जल पर भी पड़ रहा है । भू जल के मनमाने दोहन से भू जल का स्तर निरंतर गिरता जा रहा है।

श्री संजय कुमार सिबल, मुख्य अभियंता, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ उद्घाटन संबोधन करते हुए

समारोह में उपस्थित प्रतिभागी

उन्होने आगे कहा कि देश की अनेक नदियों तथा झीलें इतनी प्रदूषित हो चुकी हैं कि उनका पानी पीने की बात तो छोड़िए नहाने लायक भी नहीं है । हमारे देश में कृषि के क्षेत्र में पानी का वैज्ञानिक एवं अत्याधुनिक तरीके से प्रयोग नहीं होने के कारण, बहुत सारा जल व्यर्थ चला जाता है। एक अनुमान के अनुसार हम अपने देश में एक किलो चावल पैदा करने में लगभग 4000–5000 लीटर पानी का प्रयोग करते हैं, जबकि चीन में वैज्ञानिक तरीके से अपेक्षाकृत कम पानी का प्रयोग करके अधिक पैदावर प्राप्त की जाती है। उन्होंने सभागार में उपस्थित लोगों का आह्वान किया कि हमें कृषि के क्षेत्र में सिंचाई की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके जल संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, गाजीपुर, आजमगढ, अकबरपुर, सुल्तानपुर तथा इलाहाबाद जिलों से चयनित जल ग्राम के प्रधान, ग्राम प्रतिनिधि, कृषक तथा गैर सरकारी संगठन के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जिनमें महिलाएं भी सम्मिलित थीं। इनकी सूची **संलग्नक–एक** पर लगी है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सत्रों में चली । प्रथम सत्र के प्रथम व्याख्याता के रूप में श्री शिव प्रकाश, अधीक्षण अभियंता(समन्वय), ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ ने अपने उद्‌बोधन में जल क्रांति अभियान के अंतर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी । भारतवर्ष की सनातन ऋषि परंपरा एवं कृषि परंपरा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने वर्षा जल के कुशल एवं सतत उपयोग के लिए ग्राम्य जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया।

श्री शिव प्रकाश, अधीक्षण अभियंता (समन्वय), केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी

अगले व्याख्याता के रूप में श्री रवि प्रताप सिंह, निदेशक, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने जल संरक्षण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे–छोटे चेक डैम बनाकर उनमें संचित जल का उपयोग कृषि के साथ–साथ कृषिगत अन्य कार्यों के लिए किए जाने पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा कि नई सोच व नई तकनीक के सहारे हरित क्रांति को आगे बढ़ाया जा सकता हैजिसके लिए किसान भाईयों को परंपरागत कृषि के साथ साथ कृषि से जुड़े अन्य व्यवसायों को भी अपनाना चाहिए । श्री सिंह ने बताया कि कैसे आधुनिक तकनीक और मिलकर कार्य करने से किसान भाई अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं और जल का समुचित संरक्षण और उपयोग भी कर सकते हैं ।

श्री रवि प्रताप सिंह, निदेशक, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

श्री डी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फसल को आवश्यकता से अधिक पानी नहीं देना चाहिए क्योंकि खेत में अत्यधिक पानी भर देने से फसल की उपज प्रभावित होती है । उन्होंने कम पानी का प्रयोग करके अधिक से अधिक उपज प्राप्त करने के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

श्री डी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

श्री पीयूष कुमार शर्मा, उप कृषि निदेशक(शोध), वाराणसी ने अपने व्याख्यान में कहा कि फुहारे के रूप में या फिर टपक (ड्रिप) विधि से सिंचाई करके तथा सरकार द्वारा उन्नतिशील बीज एवं सिंचाई के विभिन्न साधनों पर दी जा रही छूट का लाभ उठाकर वैज्ञानिक ढंग से कृषि करके कम पानी में अत्यधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है ।

श्री पीयूष कुमार शर्मा, उप कृषि निदेशक(शोध), वाराणसी कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

मध्याह्न भोजन अंतराल के पश्चात् प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में श्री शोभा राम, अधिशासी अभियंता, केंद्रीय भू जल परिषद, वाराणसी ने भू जल संरक्षण तथा भू जल के कृत्रिम पुनर्भरण पर विस्तार से प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए जल सुलभ बना रहे इसके लिए भू जल का पुनर्भरण नितांत आवश्यक है । किसी भी स्थिति में हमें जल का अपव्यय नहीं करना चाहिए चाहे वह कृषि कार्य के लिए हो अथवा औद्योगिक या घरेलू उपयोग के लिए।

श्री शोभा राम, अधिशासी अभियंता, केंद्रीय भू जल परिषद, वाराणसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

श्री कमलेश नारायण दुबे, उप निदेशक, नेहरू युवा केंद्र, वाराणसी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जल क्रांति अभियान से जन–जन को जोड़ने का आहवान किया और इसके लिए अपने संगठन की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया । उन्होंने कहा कि जल के संरक्षण के साथ–साथ जल का संचयन भी किया जाना चाहिए।

श्री कमलेश नारायण दुबे, उप निदेशक, नेहरू युवा केंद्र, वाराणसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

श्री लालजी सिंह, '**गांधी जी**' श्रमजीवी सेवा संस्थान, इलाहाबाद ने जीवन के मूल्यों की रक्षा के लिए जल को अति आवश्यक बताया और ऐसे अभियान की सफलता के लिए जन सहभागिता के महत्व को निरूपित किया । उन्होंने भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी 'जल क्रांति अभियान' को समय की मांग बताते हुए इसकी भूरि–भूरि सराहना की।

श्री लालजी सिंह, '**गांधी जी**' श्रमजीवी सेवा संस्थान, इलाहाबाद प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

श्री आर.के. गौतम, अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा मंडल–3, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जल क्रांति अभियान के दिशानिर्देशों के आधार पर प्रस्तावित विविध कार्यकलापों जैसे जल ग्राम योजना, माडल कमान क्षेत्र विकसित करना, प्रदूषण नियंत्रण तथा जन जागरण कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला।

श्री आर.के. गौतम, अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा मंडल–3, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए

प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान के दौरान कार्यशाला के प्रतिभागियों द्वारा बीच–बीच में अपने गांव की जल से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया और प्रश्न भी पूछे जिनका व्याख्याताओं द्वारा संभावित समाधान प्रस्तुत किया गया । प्रतिभागियों द्वारा जनजागरण हेतु नियमित अंतराल पर ऐसे सरकारी कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया गया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्याताओं को नियमानुसार मानदेय के साथ स्मृतिचिन्ह एवं प्रतिभागियों को आने–जाने का मार्ग व्यय प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम का संचालन श्री शिवाकांत मिश्र द्वारा किया गया । श्री राकेश कुमार अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा मंडल–3, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन का समाचार वाराणसी के स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ, जिनके कतरनों की छायाप्रतियॉ निम्नवत् हैं :—

दिनांक 30—3—2016 के हिंदी दैनिक 'आज' में प्रकाशित समाचार

जलक्रांति अभियान के अन्तर्गत प्रशिक्षण

वाराणसी : केंद्र सरकार के जल संसाधन, नदी संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी जलक्रांति अभियान के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय के करीब पन्नालाल पार्क परिसर में स्थित केंद्रीय जल आयोग के सभागार में कार्यक्रम का उद्घाटन गंगा बेसिन संगठन के मुख्य अभियंता संजय कुमार सिंहल ने किया। स्वागत अधीक्षण अभियंता अनुपम प्रसाद, संचालन शिवाकांत मिश्र व आभार प्रकाश अधिशासी अभियंता आर. के.गौतम ने किया।

दिनांक 30—3—2016 के हिंदी दैनिक 'हिन्दुस्तान' में प्रकाशित समाचार

पानी का संयमित इस्तेमाल जरूरी

वाराणसी। 25 सालों में बढ़ती आबादी के साथ शुद्ध जल की मांग भी बढ़ी है। इसे पूरा करने के लिए पानी का संयमित उपयोग जरूरी है। यह बात ऊपरी गंगा बेसिन संगठन के मुख्य अभियंता संजय कुमार सिबल ने कही।

वह मंगलवार को केन्द्र जल आयोग पन्नालाल पार्क के सभागार में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन केन्द्र सरकार के जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय द्वारा चलाये जा रहे जलक्रांति अभियान के तहत किया गया था। जरूरत के मुताबिक ही पानी का उपयोग पर जोर दिया गया। जिससे शुद्ध पानी मिल सके।

दो सत्रों में चले कार्यक्रम को जल विज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल के अधीक्षण अभियंता अनुपम प्रसाद, बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक रवि प्रताप सिंह, केन्द्रीय जल आयोग के शिव प्रकाश, पीयूष कुमार शर्मा, शोभाराम, कमलेश नारायण दुबे, लालजी सिंह, शिवाकांत मिश्र और आरके गौतम ने संबोधित किया।

दो सत्रों में संपन्न इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिन व्याख्याताओं ने व्याख्यान दिए, उनके नाम तथा व्याख्यान के विषय निम्नवत् हैं :–

1. श्री शिवप्रकाश, अधीक्षण अभियंता(समन्वय), ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ	– जल क्रांति अभियान
2. श्री रवि प्रताप सिंह, निदेशक, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	– चेक डैम रेन वाटर हार्वेस्टिंग
3. श्री डी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	– जल संरक्षण का महत्व एवं इसके उपाय
4. श्री पीयुष कुमार शर्मा, उप कृषि निदेशक(शोध), वाराणसी	– पार्टिसिपेटरी वाटर मैनेजमेंट
5. श्री शोभा राम, अधिशासी अभियंता, केंद्रीय भू जल परिषद, वाराणसी	– वाटर कंजर्वेशन एंड आर्टिफिशियल रिचार्ज आफ ग्राउन्ड वाटर
6. श्री कमलेश नारायण दुबे, उप निदेशक, नेहरू युवा केंद्र, वाराणसी	– जल संरक्षण एवं इसका संचयन
7. श्री लालजी सिंह, '**गांधी जी**' श्रमजीवी सेवा संस्थान, इलाहाबाद	– जीवन मूल्यों की रक्षा में जल की भूमिका
8. श्री आर.के. गौतम, अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा मंडल–3, केद्रीय जल आयोग, वाराणसी	– जल क्रांति अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित विविध कार्यकलाप

संलग्नक–एक

कार्यशाला में भाग लेने के लिए भारत सरकार व राज्य सरकार के कार्यालयों/संस्थाओं से आए अधिकारियों के अतिरिक्त पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, गाजीपुर, आजमगढ़, अकबरपुर, सुल्तानपुर तथा इलाहाबाद जिलों से आए ग्राम प्रधान, ग्राम प्रतिनिधि, कृषक तथा गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों की सूची

क्रमांक	नाम	संगठन/स्थान	मोबाइल नंबर
	सर्वश्री/श्रीमती		
1	संजय कुमार सिंबल	मुख्य अभियंता, ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ	9958953355
2	रवि प्रताप सिंह	निदेशक, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	8004930515
3	शोभा राम	अधिशासी अभियंता, केंद्रीय भू–जल परिषद, वाराणसी	7235989797
4	कमलेश नारायण दुबे	उपनिदेशक, नेहरू युवा केंद्र, वाराणसी	9415219963
5	पीयूष कुमार शर्मा	उप कृषि निदेशक(शोध), वाराणसी	9235629432
6	डी.के. सिंह	प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	9936610782
7	शिव प्रकाश	अधीक्षण अभियंता, ऊपरी गंगा बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, लखनऊ	8005498787
8	अनुपम प्रसाद	अधीक्षण अभियंता, जलविज्ञानीय प्रेक्षण परिमंडल, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी	9935954764
9	आर.के. गौतम	अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा मंडल–3, केंद्रीय जल आयोग, वाराणसी	8004930461
10	प्रमिला मिश्र	ग्राम प्रधान–दतॉव, जिला–जौनपुर	9415897245
11	शिवानंद पाठक	ग्राम प्रधान–कमती कला जिला–चंदौली	9935416741
12	देवेन्द्र सिंह	ग्राम प्रधान–नैठी, जिला–आजमगढ़	9506099931
13	लालजी सिंह	सचिव, श्रमजीवी सेवा समिति, इलाहाबाद	9236463516
14	मुन्नर राम	ग्राम प्रधान–केशवपुर जिला–अंबडेकर नगर	9452910983
15	वीरेन्द्र कुमार सिन्हा	ग्राम प्रधान–सरायमोहाना, जिला, वाराणसी	9044766905
16	नन्दलाल राय	हाइड्रोलाजिस्ट, भूगर्भजल विभाग, जियोफिजिकल सर्वे खंड, मिर्जापुर	9451203965
17	शीतलेश सिंह	ग्राम–धम्मौर, जिला–सुल्तानपुर	9415929929
18	कड़ेदीन यादव	प्रतिनिधि ग्राम सभा–तिल्ठी जिला–मिर्जापुर	9451326946
19	अलाउद्दीन	प्रतिनिधि ग्राम सभा–लखमीपुर, जिला–वाराणसी	9161230102
20	रामशरण पाल	अवर अभियंता, लघु सिंचाई, वाराणसी	9451894539
21	विजय नारायण पाठक	ग्राम प्रतिनिधि, रामपुर जिला–वाराणसी	9415687365
22	बलराम पाण्डेय	प्रतिनिधि भूगर्भ जल विभाग, सर्वे खण्ड, मिर्जापुर	9507676252
23	भगीरथ	प्रतिनिधि ग्राम–निरसी, जिला–चंदौली	8188028871
24	सूरज प्रकाश	लघु सिंचाई विभाग, वाराणसी	9450251819
25	सुदर्शन तिवारी	प्रतिनिधि, ग्राम–जमूरपुर, जिला–आजमगढ़	9935976170
26	विजय त्रिपाठी	प्रतिनिधि, ग्राम–रानी की सराय, आजमगढ़	8400233044
27	राजेश कुमार यादव	केंद्रीय भूजल परिषद–3, वाराणसी	8005133235
28	गुलाब सिंह	प्रतिनिधि, ग्राम–खैरा, जिला–गाजीपुर	9415621175
29	आनंद सिंह	प्रतिनिधि, ग्राम–सोहनी, जिला–जौनपुर	9453364632
30	ए.के. सक्सेना	सहायक अनुसंधान अधिकारी, म.ग.म.–3, वाराणसी	9454701125
31	राजकुमार	अनुसंधान अधिकारी, म.ग.म.–3, वाराणसी	9450709821
32	राम अवध	सहायक अधिशासी अभियंता, म.ग.म.–3, वाराणसी	9935954764
33	डी.सी. प्रसाद	उपमंडल अभियंता,उपमंडल, वाराणसी	8005133591
34	चन्द्र बली	उपमंडल अभियंता, परिमंडल, वाराणसी	8005311044
35	आर.के. दुबे	वैज्ञानिक सहायक, म.ग.म.–3, वाराणसी	9454558930

क्रमांक	नाम	संगठन / स्थान	मोबाइल नंबर
	सर्वश्री / श्रीमती		
36	अंकुर मिश्रा	कनिष्ठ अभियंता, म.ग.म.–3, वाराणसी	7275872048
37	ए.के. दुबे	कनिष्ठ अभियंता, उपमंडल, वाराणसी	9415618047
38	जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, म.ग.म.–3, वाराणसी	9415353088
39	ललजी तिवारी	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, परिमंडल, वाराणसी	9451524228
40	अनुज पंत	कनिष्ठ अभियंता, म.ग.मं.–1,लखनऊ	7376547479
41	प्रशांत कुमार सिंह	कनिष्ठ अभियंता, परिमंडल, वाराणसी	9415389479

उपरोक्त के अतिरिक्त, केन्द्रीय जल आयोग, वाराणसी के अधीन विभिन्न कार्यालयों से भी कर्मचारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

****